राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा), उ0प्र0

सर्जना

01 मार्च 2025 | अंक: 14

द्वितीय चरण में 25 जनपदों में शक्ति रसोई संचालन के निर्देश

प्रदेश के 15 जनपदों में 25 स्थानों पर संचालित हो रही शक्ति रसोई ने अपनी स्थापना के पहले वर्ष में ही जिस तरह से सफलता अर्जित की, उसने महिलाओं की कार्य कुशलता व प्रबंधन क्षमता का उत्कृष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया है। शक्ति रसोई ने पहले ही साल में दो करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री कर कीर्तिमान रच दिया है। शक्ति रसोई का संचालन करने वाली महिलाओं की इस सफलता को देखते हुए पाइलट प्रोजेक्ट में रूप में 15 जनपदों में संचालित हो रही शक्ति रसोई का विस्तार इस चरण में प्रदेश के 25 अन्य जनपदों में किया गया है। इसके बाद शीघ्र ही अन्य जनपदों में भी शक्ति रसोई का संचालन प्रारंभ किया जाएगा। ये बातें दिनांक 14 फरवरी 2025 सूडा भवन में वर्चुअल कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन क्रियान्वयन विभाग/निदेशक सूडा, डॉ. अनिल कुमार ने कहीं।

आपको बता दें कि द्वितीय चरण में अलीगढ़, बाराबंकी, जीबी नगर, गोंडा, लखीमपुर-खीरी, मथुरा, रायबरेली, सुलतानपुर, उन्नाव, जौनपुर, बरेली, बांदा, कानपुर देहात, सीतापुर, बलिया, एटा, सहारनपुर, शामली, बिजनौर, पीलीभीत, कौशांबी, संभल, शाहजहांपुर, गाजियाबाद तथा महोबा में किया जाएगा। बैठक में उक्त जनपदों के परियोजना अधिकारी व शहर मिशन प्रबंधकों ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया।

बैठक के दौरान निदेशक सूडा ने कहा कि द्वितीय चरण में उक्त जनपदों में शक्ति रसोई का संचालन तत्काल प्रारंभ कराया जाए। इसके लिए जनपद स्तर पर प्रतिष्ठत होटलों के विशेषज्ञों द्वारा चयनित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का प्रशिक्षण कराया जाए। समूह की महिलाओं का बैंक खाता खुलवाया जाए व क्यूआर कोड उपलब्ध करवाया जाए। इसके साथ ही पेट पूजा ऐप भी इन्सटाल कराया जाए। ऑनलाइन बिक्री हेतु स्वैगी व जोमैटो में शक्ति रसोई का पंजीकरण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए।

शक्ति रसोई की महिलाओं का प्रशिक्षण

प्रदेश के 25 जनपदों में द्वितीय चरण में शक्ति रसोई के सफल संचालन के लिए एसएचजी की महिलाओं को स्थानीय स्तर पर ख्याति प्राप्त होटलों के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षिण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को शक्ति रसोई के बेहतर व्यवसायिक क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। पूर्व में प्रदेश के 15 जनपदों में 25 स्थानों पर संचालित हो रही शक्ति रसोई ने अल्प समय में ही सफलता का कीर्तिमान रचा है।

पेपरलेस व्यस्था की ओर अग्रसर सूडा

सूडा मुख्यालय में दिनांक 10 फरवरी 2025 को निदेशालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को ई-ऑफिस व्यवस्था के अंतर्गत डिजिटल सिग्नेचर का वितरण सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग/निदेशक सूडा, डॉ. अनिल कुमार, सहायक निदेशक सूडा श्रीमती मोनिका वर्मा व कार्यक्रम अधिकारी श्री अतुल सिंह चौहान द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग/निदेशक सूडा, डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि ई-ऑफिस व्यवस्था वर्तमान समय की जरूरत है, इससे एक ओर जहां उक्त व्यवस्था के अंतर्गत कार्यालय में पेपरलेस कार्य प्रणाली को बढ़ावा मिलेगा तो वहीं दूसरी ओर पारदर्शिता को भी बढ़ावा मिलेगा। ई-ऑफिस प्रणाली से सभी अभिलेखों का रिकार्ड डिजिटल रूप में एकत्रित किया जा सकेगा, जिससे अभिलेखों को प्राप्त करने में आसानी होती है।

उक्त कार्यक्रम में सुश्री आकांक्षा, जय प्रकाश मिश्रा, डॉ. कमल कुमार सिंह, श्रीमती मीरा, सुश्री शिवांगी, श्रीमती काजल, श्री कृष्णानंद शुक्ला, श्री कौशलेंद्र रस्तोगी, श्री रवीश कुमार, श्री मानस द्विवेदी, श्री विनोद कन्नौजिया, श्री आशीष कुमार व श्री रामकुमार आदि को डिजिटल सिग्नेचर का वितरण सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन क्रियान्वयन विभाग/निदेशक सूडा, डॉ. अनिल कुमार, सहायक निदेशक सूडा श्रीमती मोनिका वर्मा व कार्यक्रम अधिकारी श्री अतुल सिंह चौहान द्वारा किया गया।

आपको बता दें कि ई-ऑफिस प्रणाली से निदेशालय के कामकाज को अधिक कुशल और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। ई-ऑफिस प्रणाली के साथ, कागज की आवश्यकता कम हो जाएगी, जिससे कार्यालय में कागज के उपयोग को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही सभी दस्तावेज़ और रिकॉर्ड डिजिटल रूप में संग्रहीत हो सकेंगे, जिससे उन्हें आसानी से खोजा और पुन: प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही ई-ऑफिस प्रणाली में डेटा सुरक्षा की व्यवस्था होती है, जिससे महत्वपूर्ण जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। उक्त व्यवस्था के अंतर्गत ऑडिट ट्रेल की व्यवस्था होती है, जिससे सभी गतिविधियों का रिकॉर्ड रखा जा सकता है।

ई-ऑफिस प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

दिनांक 13 फरवरी 2025 को सूडा भवन में ई-ऑफिस व्यवस्था के बेहतर संचालन हेतु प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। ट्रेनिंग में यूपीएलसी के प्रतिनिधि श्री सुधीर यादव ने निदेशालय के समस्त स्टाफ को सभी तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र में सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग/निदेशक सूडा, डॉ. अनिल कुमार, सहायक निदेशक सूडा श्रीमती मोनिका वर्मा, वित्त नियंत्रक श्री संजीव गुप्ता व कार्यक्रम अधिकारी श्री अतुल सिंह चौहान व निदेशालय का पूरा स्टाफ उपस्थित रहा।

कार्यक्रम के दौरान सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग/निदेशक सूडा, डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि ई-ऑफिस व्यवस्था वर्तमान समय की जरूरत है, इससे एक ओर जहां उक्त व्यवस्था के अंतर्गत कार्यालय में पेपरलेस कार्य प्रणाली को बढ़ावा मिलेगा तो वहीं दूसरी ओर पारदर्शिता को भी बढ़ावा मिलेगा। ई-ऑफिस प्रणाली से सभी अभिलेखों का रिकार्ड डिजिटल रूप में एकत्रित किया जा सकेगा, जिससे अभिलेखों को प्राप्त करने में आसानी होती है।

महाकुंभ में एसएचजी के स्टाल पर उमड़ी भीड़

दिनांक 13 जनवरी 2025 से लेकर 26 फरवरी 2025 तक चले महाकुंभ में एक ओर जहां आस्था, संस्कृति व आध्यात्म की त्रिवेणी प्रवाहित होती रही और करोड़ों श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम के तट पर डुबकी लगाई तो वहीं दूसरी ओर महिला स्वावलम्बन व सशक्तिकरण का नया अध्याय भी लिखा गया।

मेला क्षेत्र के सेक्टर एक में राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) के शिविर में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के द्वारा स्टाल लगाए गए। इन स्टालों पर एसएचजी की महिलाओं के द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों की बिक्री हेतु प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें बड़ी संख्या में आए हुए लोगों ने खरीदारी की।

वासुदेव स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता शर्मा ने बताया कि समूह की महिलाओं के द्वारा हस्त निर्मित बैग व बटुए आदि की खासी मांग रही। भावनी स्वयं सहायता समूह की श्रीमती पूनम सिंह ने बताया कि उनके समूह की महिलाओं के द्वारा बनाए गए भगवान के वस्त्र, झूले व जूट बैग ने लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया व मेले में आने वाले लोगों ने खरीदारी भी की। युक्ति स्वयं सहायता समूह की श्रीमती रूपा साहू ने बताया कि समूह की महिलाओं के द्वारा बनाए गए सॉफ्ट ट्वॉयज को बच्चों व उनके परिजनों के द्वारा बहुत पसंद किया गया व खरीदा भी गया। तेजस्वनी स्वयं सहायता समूह की श्रीमती रेनू केसरवानी ने बताया कि समूह की महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के आटे बनाए जाते हैं। लेकिन मेले में मोटे अनाज के आटे की बहुत मांग रही है और लोगों ने जमकर खरीदारी की।

मेले में विभिन्न उत्पादों को अपने-अपने स्टाल पर जगह देने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि कुंभ मेले में जिस उम्मीद के साथ आई थीं, मेले में उनके उत्पादों की बिक्री उनकी सोच से भी अधिक हुई है।

आत्मिक संतुष्टि मिली: रजनी सिंह

महाकुंभ मेला क्षेत्र में शक्ति रसोई का संचालन करना हमारे लिए अनूठा अनुभव साबित हुआ है। मेले में दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन की व्यवस्था करने से हमें आत्मिक संतुष्टि की प्राप्ति हुई है तो वहीं दूसरी ओर मेले में कैंटीन में बिक्री भी हमारी सोच से ज्यादा हुई है।

जनपद प्रयागराज के डफरिन अस्पताल परिसर में शक्ति रसोई का संचालन करने वाली श्रीमती रजनी सिंह व उनकी टीम को महाकुंभ मेले में राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) के कैम्प शक्ति रसोई संचालन की जिम्मेदारी मिली। श्रीमती रजनी सिंह ने बताया कि यहां पर कैंटीन चलाना हमारे लिए खासा लाभप्रद साबित हुआ है। इसके साथ देश के कोने-कोने से आए लोगों से मिलने व उनके क्षेत्रों के व्यंजनों के विषय में भी जानकारी मिली। मेले में आए श्रद्धालुओं के लिए भोजन की व्यवस्था करने से जो आत्मिक संतुष्टि मुझे प्राप्त हुई है वो अब तक मुझे अब तक नहीं मिली थी। कुंभ मेले का अनुभव मेरे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव है।

सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग ने की समीक्षा

दिनांक 18 फरवरी 2025 को सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग/निदेशक सूडा डॉ. अनिल कुमार की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी,पीएम स्वनिधि योजना, शहरी गरीबी उन्मूलन हेतु नया मिशन, मलिन बस्ती के विभिन्न घटकों की प्रगति की समीक्षा की गई।

उक्त बैठक में कार्यक्रम अधिकारी, श्री अतुल सिंह चौहान के साथ ही समस्त एसएमएम व एसएलटीसी भी उपस्थित रहे। इसके साथ ही प्रदेश के सभी जनपदों के परियोजना अधिकारी, शहर मिशन प्रबंधक व सीएलटीसी ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में प्रतिभाग किया।

सोशल मीडिया

Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban),...
@PMAYU_UP

'सबके लिए आवास' का संकल्प हो रहा साकार!

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 जरूरतमंद और निराश्रित लोगों के पक्के घर के सपने को साकार करने के साथ ही सामाजिक संतुलन भी स्थापित करेगी।

#PMAYUrbanUP #UPSUDA #HousingForAll #DeliveringHomes #DeliveringSmiles #PMAYUrban

Translate post

DAY-NULM UTTAR PRADESH
@nulmup

प्रदेश में उद्यमिता विकास प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व व्यवसाय प्रबंधन के गुर सिखाए गए।

#DAYNULM #EDPTraining #EmpoweringWomen #UPSUDA #EmpoweringWomenWithDAYNULM

Translate post

SUDA (UTTAR PRADESH)
@SUDA_UP

आज, सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग/निदेशक सूडा डॉ. अनिल कुमार की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, पीएम स्वनिधि योजना, शहरी गरीबी उन्मूलन हेतु नया मिशन, मलिन बस्ती के विभिन्न घटकों की प्रगति की समीक्षा की गई।

#UPSUDA #MalinBasti

pmayu_up and suda.uttarpradesh

24

pmayu_up प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी गरीबी उन्मूलन व सामाजिक संतुलन की आधारशिला बनी है। योजना के माध्यम से मिले गरीबों को आवास न सिर्फ उनके सपनों का मूर्त रूप हैं बल्कि ये उनके आत्मसम्मान का प्रतीक भी हैं।

@aksharmabharat @anilpathakias @principalsecy_udd @mohua__india @pmay_urban @nagarvikas_up @mygovindia @mygovup @suda.uttarpradesh

#PMAYUrbanUP #UPSUDA #HousingForAll #DeliveringHomes #DeliveringSmiles #PMAYUrban #WomenEmpowerment #TransformingLives

पायनियर

www.dailypioneer.com

पेपरलेस व्यवस्था की ओर अग्रसर सूडा

● ई-ऑफिस प्रणाली से पारदर्शिता को मिलेगा बढ़ावा: डॉ. अनिल कुमार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सूडा मुख्यालय में सोमवार को निदेशालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को ई-ऑफिस व्यवस्था के अंतर्गत डिजिटल सिग्नेचर का वितरण सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन क्रियान्वयन विभाग/ निदेशक सूडा, डॉ. अनिल कुमार, सहायक निदेशक सूडा मोनिका वर्मा व कार्यक्रम अधिकारी अतुल सिंह चौहान द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन क्रियान्वयन विभाग/ निदेशक सूडा, डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि ई-ऑफिस व्यवस्था वर्तमान समय की जरूरत है, इससे एक ओर जहां उक्त व्यवस्था के अंतर्गत कार्यालय में पेपरलेस कार्यप्रणाली को बढ़ावा मिलेगा तो वहीं दूसरी ओर पारदर्शिता को भी बढ़ावा मिलेगा। ई-ऑफिस प्रणाली से सभी अभिलेखों का रिकार्ड डिजिटल रूप में एकत्रित किया जा सकेगा, जिससे अभिलेखों को प्राप्त करने में आसानी होती है। कार्यक्रम में आकांक्षा, जय प्रकाश मिश्रा, डॉ. कमल कुमार सिंह, मीरा, शिवांगी, काजल, कृष्णानंद शुक्ला, कौशलेंद्र रस्तोगी, रवीश कुमार, मानस द्विवेदी, विनोद कन्नौजिया, आशीष कुमार व रामकुमार आदि को डिजिटल सिग्नेचर का वितरण सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन क्रियान्वयन विभाग/ निदेशक सूडा, डॉ. अनिल कुमार, सहायक निदेशक सूडा मोनिका वर्मा व कार्यक्रम अधिकारी अतुल सिंह चौहान द्वारा किया गया। आपको बता दें कि ई-ऑफिस प्रणाली से निदेशालय के कामकाज को अधिक कुशल और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। ई-ऑफिस प्रणाली के साथ, कागज की आवश्यकता कम हो जाएगी, जिससे कार्यालय में कागज के उपयोग को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही सभी दस्तावेज और रिकॉर्ड डिजिटल रूप में संग्रहीत हो सकेंगे, जिससे उन्हें आसानी से खोजा और पुनः प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही ई-ऑफिस प्रणाली में डाटा सुरक्षा की व्यवस्था होती है, जिससे महत्वपूर्ण जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। उक्त व्यवस्था के अंतर्गत ऑडिट ट्रेल की व्यवस्था होती है, जिससे सभी गतिविधियों का रिकॉर्ड रखा जा सकता है।

---

www.facebook.com/rashtriyasahara | https://twitter.com/SaharaRashtriya | www.rashtriyasahara.com

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

लखनऊ

शनिवार ● 15 फरवरी ● 2025

शक्ति रसोई ने पहले ही वर्ष में रचा इतिहास : निदेशक

लखनऊ (एसएनबी)। प्रदेश के 15 जनपदों में 25 स्थानों पर संचालित हो रही शक्ति रसोई ने पहले ही साल में दो करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री कर कीर्तिमान रच दिया है। इस सफलता को देखते हुए शक्ति रसोई का विस्तार अन्य जनपदों में भी किया जाएगा। ये बातें सूडा भवन में वर्चुअल कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन क्रियान्वयन विभाग व निदेशक सूडा, डॉ. अनिल कुमार ने कहीं। कहा कि द्वितीय चरण में अलीगढ़, बाराबंकी, जीबी नगर, गोंडा, लखीमपुर-खीरी, मथुरा, रायबरेली, सुलतानपुर, उन्नाव, जौनपुर, बरेली, बांदा, कानपुर देहात, सीतापुर, बलिया, एटा, सहारनपुर, शामली, बिजनौर, पीलीभीत, कौशांबी, संभल, शाहजहांपुर, गाजियाबाद तथा महोबा में किया जाएगा। बैठक में परियोजना अधिकारी व शहर मिशन प्रबंधकों ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया।

बैठक के दौरान निदेशक सूडा ने कहा कि द्वितीय चरण में उक्त जनपदों में शक्ति रसोई का संचालन तत्काल प्रारंभ कराया जाए। इसके लिए जनपद स्तर पर प्रतिष्ठित होटलों के विशेषज्ञों की ओर से चयनित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का प्रशिक्षण कराया जाए। समूह की महिलाओं का बैंक खाता खुलवाया जाए व क्यूआर कोड उपलब्ध करवाया जाए। इसके साथ ही पेट पूजा ऐप भी इन्स्टाल कराया जाए। ऑनलाइन बिक्री के लिए स्वैगी व जोमैटो में शक्ति रसोई का पंजीकरण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए।

स्थापना के पहले वर्ष में 15 जनपदों में दो करोड़ से अधिक की हुई बिक्री

समाज में महिलाओं की स्थिति जितनी सशक्त होगी वह राष्ट्र व समाज भी उतना ही सशक्त व विकसित होगा। महिला सशक्तिकरण व आर्थिक उत्थान के लिए प्रदेश में अभिनव प्रयोग के तौर पर शक्ति रसोई का संचालन 15 जनपदों में 25 स्थानों पर किया जा रहा है। शक्ति रसोई योजना का संचालन डे-एनयूएलएम के अंतर्गत किया जा रहा है। इस योजना के तहत शक्ति रसोई के संचालन का काम स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हुई महिलाओं को सौंपा गया है। इन महिलाओं को सरकारी भवनों, कार्यालयों में इस कैंटीन के लिए स्थान दिया गया है। विभाग की ओर से शक्ति रसोई के संचालन में काम आने वाले आवश्यक उपकरण, फर्नीचर आदि निशुल्क उपलब्ध कराए गए हैं। इतना ही इन महिलाओं को समय-समय पर देश के नामचीन होटल के शेफ आदि की ओर से प्रशिक्षण भी दिया जाता है। जिसके माध्यम से महिलाएं शक्ति रसोई का संचालन और भी बेहतर व्यावसायिक तरीके से कर रही हैं। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लखनऊ में 5, झांसी में 3, वाराणसी में 3, प्रयागराज में 2, गोरखपुर में 2, एवं अयोध्या, आगरा, देवरिया, आजमगढ़, सोनभद्र, कानपुर नगर, मुरादाबाद, मऊ, हरदोई कन्नौज में 1-1 रसोई का संचालन हो रहा है।

दैनिक जागरण

लखनऊ, शनिवार 15 फरवरी, 2025

नगर संस्करण

www.jagran.com

25 और जिलों में शुरू होगी शक्ति रसोई 9 | संघ प्रमुख मोहन भागवत की रैली को कलकत्ता हाई कोर्ट ने दी अनुमति 17

प्रदेश के 25 और जिलों में शुरू होगी शक्ति रसोई

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: प्रदेश के 15 जिलों में 25 स्थानों पर संचालित हो रही शक्ति रसोई ने अपनी स्थापना के पहले वर्ष में ही दो करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री की। इसके बाद शक्ति रसोई का विस्तार करने की कसरत तेज हो गई है। सचिव नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन क्रियान्वयन विभाग एवं निदेशक सूडा डा. अनिल कुमार ने अधिकारियों को दूसरे चरण में 25 और जिलों में जल्द शक्ति रसोई का संचालन शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लखनऊ, झांसी, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, अयोध्या, आगरा, देवरिया, आजमगढ़, सोनभद्र, कानपुर नगर, मुरादाबाद, मऊ, हरदोई और कन्नौज में 25 शक्ति रसोई का संचालन शुरू किया गया था। संचालन का काम स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं महिलाओं को सौंपा गया है। शुक्रवार को सूडा भवन में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के दौरान डा. अनिल कुमार ने कहा कि शक्ति रसोई का संचालन करने वाली महिलाओं की सफलता को देखते हुए इसका विस्तार अब अलीगढ़, बाराबंकी, गौतम बुद्ध नगर, गोंडा, लखीमपुर खीरी, मथुरा, रायबरेली, सुलतानपुर, उन्नाव, जौनपुर, बरेली, बांदा, कानपुर देहात, सीतापुर, बलिया, एटा, सहारनपुर, शामली, बिजनौर, पीलीभीत, कौशांबी, संभल, शाहजहांपुर, गाजियाबाद और महोबा में किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तर पर प्रतिष्ठित होटलों के विशेषज्ञों द्वारा चयनित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाए। समूह की महिलाओं का बैंक खाता खुलवाया जाए व क्यूआर कोड उपलब्ध करवाया जाए। पेट पूजा एप भी इंस्टाल कराया जाए।

लखनऊ व कानपुर से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 26 अंक : 220 | लखनऊ, मंगलवार 11 फरवरी 2025 | नगर संस्करण | पृष्ठ 12 | मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

पेपरलेस व्यस्था की ओर अग्रसर सूडा

ई-ऑफिस प्रणाली से पारदर्शिता को मिलेगा बढ़ावा :अनिल कुमार

स्वरूप ब्यूरो

लखनऊ। सूडा मुख्यालय में निदेशालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को ई-ऑफिस व्यवस्था के अंतर्गत डिजिटल सिग्नेचर का वितरण सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन क्रियान्वयन विभाग/निदेशक सूडा, डॉ. अनिल कुमार, सहायक निदेशक सूडा मोनिका वर्मा व कार्यक्रम अधिकारी अतुल सिंह चौहान द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन क्रियान्वयन विभाग/निदेशक सूडा, डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि ई-ऑफिस व्यवस्था वर्तमान समय की जरूरत है, इससे एक ओर जहां उक्त व्यवस्था के अंतर्गत कार्यालय में पेपरलेस कार्य प्रणाली को बढ़ावा मिलेगा तो वहीं दूसरी ओर पारदर्शिता को भी बढ़ावा मिलेगा। ई-ऑफिस प्रणाली से सभी अभिलेखों का रिकार्ड डिजिटल रूप में एकत्रित किया जा सकेगा, जिससे अभिलेखों को प्राप्त करने में आसानी होती है। उक्त कार्यक्रम में आकांक्षा, जय प्रकाश मिश्रा, डॉ. कमल कुमार सिंह, मीरा, शिवांगी, काजल, कृष्णानंद शुक्ला, कौशलेंद्र रस्तोगी, रवीश कुमार, मानस द्विवेदी, विनोद कन्नौजिया, आशीष कुमार व रामकुमार आदि को डिजिटल सिग्नेचर का वितरण सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन क्रियान्वयन विभाग/निदेशक सूडा, डॉ. अनिल कुमार, सहायक निदेशक सूडा मोनिका वर्मा व कार्यक्रम अधिकारी अतुल सिंह चौहान द्वारा किया गया।